Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue regarding increasing incidents of fraudulent practices in digital bankings in the country.

डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा (रोहतक): बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी । अध्यक्ष जी, पूरे विश्व की भांति हमारा देश भी डिजिटल इंडिया की तरफ बढ़ रहा है । इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, जिनकी मेहनत से देश आज डिजिटल इंडिया की तरफ बढ़ रहा है । लेकिन डिजिटल बैंकिंग में बहुत धोखाधड़ी हो रही है । डिफरेंट ऐप्स के ज़रिए, जिनमें पेटीएम, एटीएम, फोन-पे, गूगल-पे, आईएमपीएस, एनईएफटी, आरटीजीएस और केवाईसी को अपडेट करने के बहाने से रोज़ाना गरीबों और मिडिल क्लास लोगों के साथ धोखाधड़ी हो रही है । जो धोखाधड़ी करने वाले लोग हैं, वे इतना समय भी नहीं देते हैं कि जिस ऐप से पैसे निकल रहे हैं, उसको वह डिलीट कर सके । इतना जबरदस्त धोखा चल रहा है । अगर आप पुलिस को फोन करते हैं तो आप देखेंगे कि पुलिस की तरफ से बिलकुल कोई एक्शन नहीं होता है । अभी मंत्री जी यहां बैठे थे, जो चले गए हैं । अध्यक्ष जी, अगर आप रिकार्ड मंगाएंगे और देखेंगे कि कितनी धोखाधड़ी लोगों के साथ हो रही है । पिछले छ: महीने का रिकार्ड आप मंगवा लें, किस तरह से लोग लुट रहे हैं और कोई एक्शन नहीं हो रहा है । पुलिस एफआईआर तक दर्ज नहीं करती है । पुलिस कहती है, मैं आपको दो दिन पहले का उदाहरण बताना चाहता हूं, एक बहुत ही बुजुर्ग महिला के साथ धोखा हुआ और उसने जब पुलिस को फोन किया तो पुलिस कहती है कि उस नंबर को ब्लॉक कर दो । अध्यक्ष जी, यह मसला बहुत ही इम्पोर्टेंट है । आप देखें कि यह प्रधानमंत्री जी का सपना है, लेकिन इसमें किस तरह से लूट चल रही है । मेरी आपसे दरख्वास्त है कि आप सरकार को निर्देश दें कि वह इस पर ध्यान दे । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट । अरविन्द शर्मा जी, ने जो विषय उठाया है, मेरा आपसे यह आग्रह है कि इसके लिए राज्यों को गाइडलाइंस देनी

चाहिए । कई देशों में कई लोगों के साथ ऐसी घटनाएं घटी हैं । राज्य पुलिस को इस पर एक्शन प्लान करना चाहिए ।

…(व्यवधान)